इस पुस्तक में व्यक्त विचार लेखक के व्यक्तिगत हैं। इस पुस्तक में व्यक्त विचारों से किसी भी प्रकार की होने वाली हानि के लिए शब्द संयोजक, मुद्रक तथा प्रकाशक का कोई भी दायित्व नहीं होगा।

ISBN : 978-93-86246-74-5

प्रकाशक
प्रगतिशील प्रकाशन
एन-3/25, प्रथम तल, मोहन गार्डन, उत्तम नगर
नई दिल्ली-110059 दूरभाष: 9899665801
ई-मेल : pragatisheelprakashan@gmail.com

प्रथम संस्करण : 2019

© सुरक्षित

भारत में प्रकाशित
'प्रगतिशील प्रकाशन' के लिए प्रकाशित। कॉन्वेक्स पब्लिशिंग सोल्यूशन, नई दिल्ली-110059 द्वारा लेजर टाईपसेटिंग तथा विशाल कौशिक प्रिंटर्स, शाहदरा, दिल्ली द्वारा मुद्रित।

अनुक्रम

प्रथम अध्याय : सौन्दर्य–बोध की अवधारणा **11**

(क) सौन्दर्य की परिभाषा

(ख) कला और सौन्दर्य का संबंध

(i) उपयोगी कला

(ii) ललित कला

(ग) सौन्दर्य निरूपण के प्राचीन एवं अर्वाचीन आधार

(घ) सौन्दर्य–बोध अथवा सौन्दर्य अनुभूति, रस एवं सौंदर्य का अन्तर संबंध

द्वितीय अध्याय : पंचपरगनिया लोकगीतों के सौन्दर्य–बोध **60**

(क) पंचपरगनिया संस्कार गीतों में सौंदर्य–बोध

(ख) पंचपरगनिया पर्व–त्योहार गीतों में सौंदर्य–बोध

(ग) पंचपरगनिया विविध गीतों में सौंदर्य–बोध

तृतीय अध्याय : पंचपरगनिया लोकगीतों में सौन्दर्य–बोध की विशेषताएँ **129**

(क) भाव सौंदर्य

(ख) कला सौंदर्य

चतुर्थ अध्याय : पंचपरगनिया लोकगीतों की उपलब्धियाँ तथा भविष्य **156**

डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह का जन्म 15 जनवरी, 1974 को झारखण्ड प्रांत के रांची जिलांतर्गत ग्राम–बसंतपुर, पोस्ट–पोगड़ा, थाना–सिल्ली में माता पूर्णबाला देवी व पिता श्री जनक सिंह मुण्डा के घर हुआ। आपने बी.ए. इतिहास (प्रतिष्ठा), एम.ए.–इतिहास, पंचपरगनिया, नेट 2006 तथा पीएच–डी. की उपाधि 2016 में प्राप्त की।

इनकी अनेक आलेख विश्वविद्यालय, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सेमानार, संगोष्ठियों में प्रकाशित हो चुकी हैं।

शिक्षण कार्य

1. शहीद रघुनाथ इण्टर महाविद्यालय पतरातु–ईचाहातु, सिल्ली, राँची।
2. जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, राँची विश्वविद्यालय राँची।

प्रकाशित पुस्तकें

1. पंच परगनिया लोक–साहित्य

₹ 250.00

ISBN 978-93-86246-74-5

9 789386 246745

प्रगतिशील प्रकाशन

एन-3/25, प्रथम तल, मोहन गार्डन, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059
दूरभाषः 09899665801, ई-मेलः pragatisheelprakashan@yahoo.in